शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

समुद्री जल-जीव एवं पौधे

मिशन शिक्षण संवाद

काव्य मंजरी

मिशन शिक्षण संवाद

शैक्षिक कविताओं का संकलन

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

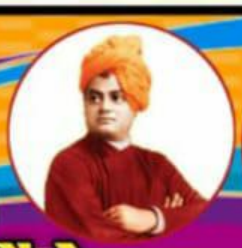

समुद्री जल-जीव एवं पौधे

01

घोंघा

शाकाहारी प्राणी घोंघा,
होता शरीर है घुमावदार।
कड़े खोल में बन्द रहे जो,
रहे बन्द ढक्कन का द्वार।।

होता है आभास इसे,
यदि किसी भी आघात का।
चला जाए झट से तब अन्दर,
और मुँह बन्द हो द्वार का।।

घास की नमी में घोंघा,
रहता बगीचे और मैदानों में।
अमेरुदण्डीय, निशाचर यह प्राणी है,
रहता लकड़ी के लट्ठों और चट्टानों में।।

सिर पर होता एक मुख,
और होते दो बड़े टेन्टाकिल्स।
दोनों पर होती दो आँखें,
और होते दो छोटे भी टेन्टाकिल्स।।

रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
पू० मा० वि० स्योढ़ा,
बिसवाँ, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

समुद्री जल-जीव एवं पौधे

02

व्हेल

भीमकाय ये जलीय जीव स्तनपायी,
सेटेशिया गण है अजब सी ताकत पायी।
सबसे बड़ा है ये जीव विश्व का,
सागर, महासागर में जाती है पायी।।

शिकार हुई तो विलुप्तप्राय सी होने को आयी,
पाबन्दी लगी तो खतरे से उबर के आयी।
वजन है टनों इसका, तीस फ़ीट की लम्बाई,
छोटी मछलियाँ हैं भोजन, ऊर्जा उनसे पायी।।

स्पर्म व्हेल, किलर व्हेल आदि जातियाँ जाती है पायी,
गर्म खून और चमड़ी मोटी जाती है पायी।
ब्लबर कहते हैं जिसको, शरीर को ऊर्जा देती आयी,
चार चैम्बर का हृदय गर्दन लचीली है पायी।।

एक बच्चे को जन्म देती और दूध पिलाती है आयी,
मांस, तेल और परफ्यूम मुख्यत: शिकार की वजहें बतायी।
इन्टरनेशनल व्हेलिंग कमीशन ने पर पाबन्दी थी लगायी,
मनुष्य को सबसे बड़ा दुश्मन अपना वो पायी।।

रचना -
डॉ० नीतू शुक्ला (प्र०अ०)
मॉडल प्राइमरी स्कूल-बेथर 1
सिकंदरपुर कर्ण -उन्नाव

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

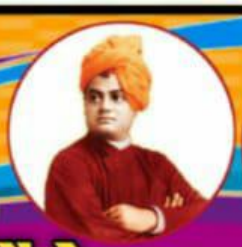

समुद्री जल-जीव एवं पौधे

03

घड़ियाल

"सरीसृप वर्ग" का है यह जन्तु,
मगरमच्छ के जैसा है।
मछलियों को खाने वाला
हिंसक नहीं ये, ऐसा है।।

बहुत कड़ी, मजबूत त्वचा है,
आगे निकला होता थूथन।
तेज नुकीले दाँत है इसके,
देख के डर जाता हर जन।।

नाम है इसका गेवियेलिस,
विज्ञान में, तुम जान लो।
विलुप्त प्राय जाति है इसकी,
बच्चों! ऐसा मान लो।।

रचना-
श्रीमती पूनम गुप्ता "कलिका"
(स०अ०) प्रा० वि० धनीपुर,
धनीपुर, जनपद अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

समुद्री जल-जीव एवं पौधे

04

डॉल्फिन

मछली जैसी दिखती है पर,
मछली नहीं ये स्तनधारी है।
गंगा में पाई जाती है डॉल्फिन,
राष्ट्रीय जलीय जीव हमारी है।।
सीटी जैसी आवाज़ है इसकी,
देख नहीं यह पाती है।
सूंघने की शक्ति बहुत है,
सन ऑफ रिवर कहलाती है।।
5 फुट से 18 फुट तक,
लंबाई इसकी होती है।
कम्पन सी आवाज़ करना,
आदत इसकी होती है।।
मानव की यह दोस्त है होती,
स्वभाव से बहुत ही प्यारी है।
विलुप्त होने से इसे बचाना,
हम सबकी जिम्मेदारी है।।

रचना -
पीयूष त्रिवेदी (स०अ०)
संविलयित विद्यालय भैनामऊ
सुरसा, हरदोई

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

समुद्री जल-जीव एवं पौधे

05

जलकुम्भी

एक बीजपत्री पुष्पक पौधा,
जल में करता है जो प्रसार।
जलकुम्भी नाम है भारत में,
दक्षिण अमेरिका मूल द्वार।।

आइकोरनिया क्रेसिपस,
जिसका वैज्ञानिक नाम।
जल से आक्सीजन सोख,
जीवों का करे काम तमाम।।

एक फूल के पौधे रूप में,
सर्वप्रथम कलकत्ता आया।
नदियाँ , नहरें, ताल, तलैया,
सबमें इसने पैर फैलाया ।।

30वर्षों तक अंकुरण की,
क्षमता बीज में होती ।
जैव नियन्त्रण विधि द्वारा,
नियंत्रण की कोशिश होती।।

रचना
सीमा मिश्रा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० काजीखेड़ा
खजुहा फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

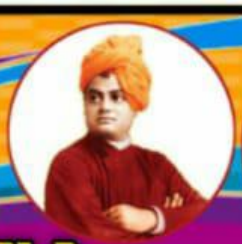

समुद्री जल-जीव एवं पौधे

06

झींगा मछली

छोटी-छोटी सी बड़ी कीमती,
झील, तलैया, ताल में पलती।
सागर-नदियों में भी मिलती,
सिर पर जो एण्टीना रखती।।

साफ हो मीठा, जल में पालो,
चाहे इसको खेत में पालो।
मछली पालनकर्ता यही बताते,
बहुत फायदे हैं, समझाते।।

दूर तराई में जल की तलैय्या,
झींगा पाले हैं हींगा भैय्या।
रोजगार है अब नया बताते,
नयी किसानी करते जाते।।

लाल भी होती, श्वेत भी होती,
पाँच-पाँच हैं पैर वो रखती।
कोमल-चिकनी काया वाली,
झींगा मछली बहुत निराली।।

रचना
सतीश चन्द्र (प्र०अ०)
प्रा० वि० अकबापुर
पहला, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

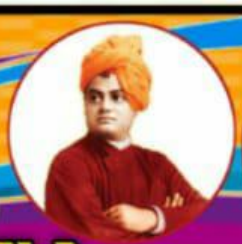

समुद्री जल-जीव एवं पौधे

07

कैट फिश

टेस्ट बड्स भी सबसे ज्यादा हैं,
कैट फिश मछली नहीं सादा है।
हमारे मुँह में बड्स आठ हजार,
इसके हैं एक लाख 75 हज़ार।।

फ्रेश वाटर की यह मछली रानी है,
जीवन इसका गहराई का पानी है।
होती हैं प्रजातियाँ 30 से अधिक,
इसकी उम्र भी 60 वर्ष से अधिक।।

इनकी संख्या लगातार घट रही है,
कैट फिश की माँग भी बढ़ रही है।
छोटी मछली का नहीं करे शिकार,
खतरा महसूस होते ही भेजे तार।।

एक इंच से लेकर 10 फुट लम्बाई,
बड़ी का वजन 300 किग्रा है भाई।
इनका शौक है पक्षियों का शिकार,
पहले 4 वर्ष में बढ़े 400% आकार।।

रचना
भुवन प्रकाश (इं०प्र०अ०)
प्रा०वि० पिपरी नवीन
मिश्रिख, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

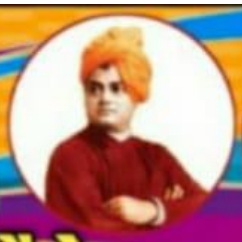

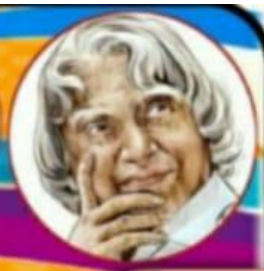

समुद्री जल-जीव एवं पौधे

08

कछुआ

जैसे मछली जल की रानी,
कछुआ जल का राजा है।
ऊपर कवच है पत्थर जैसा,
कितना मोटा ताजा है।।

चारों टाँगें लम्बी गरदन,
निकली रहती हैं बाहर।
खतरा कोई जाने जब ये,
कर लेता उनको अन्दर।।

फल, सब्जियाँ खाने वाले,
कछुए होते शाकाहारी।
कीड़े- मकोड़े खाते हैं जो,
कहलाते सर्वाहारी।।

कछुआ घर में रखें अगर तो,
माना जाता शुभकारी।
समुद्र मन्थन के समय,
था विष्णु जी का अवतारी।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना
हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा०वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

समुद्री जल-जीव एवं पौधे

09

स्टार फिश

यह स्टार फिश या,
तारामीन कहलाती है।
यह केवल समुद्री जल,
में ही पायी जाती है।।

पाँच भुजाएँ होती इसकी,
कड़े प्लेट्स से ढकी होती है।
ऊपरी सतह पर अनेक,
कांटेदार रचनाएँ होती हैं।।

कई प्रजातियाँ होती इसकी,
कई रंगों में पायी जाती।
इसकी एक प्रजाती जापान में,
बड़े चाव से खायी जाती।।

स्पंज, बिवाल्व्स, घोंघे और,
अन्य छोटे जानवर खाती है।
कठिन बड़ा है जीवन चक्र इसका,
काफी गहराई में पायी जाती है।।

रचना- शहनाज़ बानो (स०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय- भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

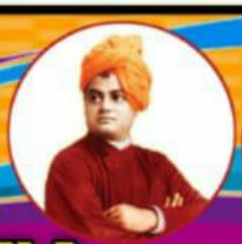

समुद्री जल-जीव एवं पौधे

10

मरीन प्लान्ट

समुद्र के खारे पानी में,
वनस्पति यह पायी जाती है।
मृदु अंग व कम जड़ें,
इन पौधों में पायी जाती हैं।।है।।

विशेष वायुकक्ष अनेक पौधों में,
अधिकांशतः पाये जाते हैं।
जो पानी पर लहराते व,
डूबे भागों को वायु देते हैं।।

अधिकांश समुद्री पौधे,
लाल, हरे, भूरे होते हैं।
सूक्ष्म बीजाणुओं द्वारा,
इन पौधों में प्रजनन होते हैं।।

निमग्न फूलों का परागण,
तैरते परागकणों द्वारा होता है।
समुद्री प्राणियों द्वारा उपयोग,
खाद्य पदार्थ रूप में होता है।।

रचना

सुप्रिया सिंह (स० अ०)
कम्पोजिट विद्यालय बनियामऊ
मछरेहटा, सीतापुर।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

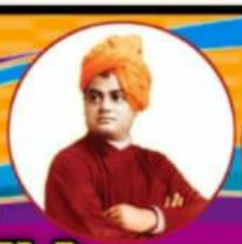

समुद्री जल-जीव एवं पौधे

11

सीप

समुद्री जीवों की अद्भुत दुनिया में,
सीप एक विचित्र जीव होता है।
जो कठोर खारे पानी को भी,
मीठा और साफ कर देता है ।।

ऊपरी कपाट पर गोल रेखाएँ होती है,
जो वृद्धि रेखाएँ कहलाती है।
प्रकृति सुरक्षा इसकी करती है,
कवच बीच सीप रहती है।।

स्वच्छ जल में रहता है,
दो पार्श्व कपाट से बन्द होता है।
मध्य भाग से जुड़ा रहता है,
माँसल पाँव से चलता है ।।

बेशकीमती मोती,
सीप के अन्दर बनती है।
कैल्शियम कार्बोनेट पदार्थ से,
चमकदार मोती बनती है।।

रचना- प्रतिमा उमराव (स०अ०)
उच्च प्रा०वि० अमौली (1-8)
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

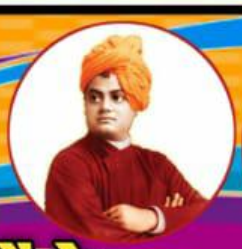

समुद्री जल-जीव एवं पौधे

12

जेलीफिश

हर समुद्र में सतह से लेकर,
गहराई तक पायी जाती है।
1500 से ज्यादा किस्में और,
दिखने मे पारदर्शी होती है।।

रंगीन जेलीफिश विश्व भर में,
अक्सर तटीय क्षेत्रों मे होती है।
पर मीठे पानी की प्रजातियाँ,
ज्यादातर बेरंग ही होती हौ।

इनका घंटीनुमा शरीर और गति,
पर सीमित नियन्त्रण होता है।
त्वचा पतली होती है जिसमें,
विसरण से ऑक्सीकरण होता है।।

2008 मे GFP पर काम हुआ,
रसायन शास्त्र मे नोबेल जीता है।
इसका कोलाजन और गठिया के,
उपचार के लिए प्रयोग होता है।।

GFP - Green fluorescent protein

रचना- ज्योति सागर (स०अ०)
प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं।
9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

समुद्री जल-जीव एवं पौधे

13

मेंढक

वर्षा ऋतु में बोले दादुर,
बादल देख-देख टर्र-टर्र।
कई प्रकार के होते मेंढक,
बोले जाते हैं उभयचर।।

सभी जगह मिल जाता है,
सीधा सादा मोटा मोटा।
चौड़ा मुँह भद्दी सी चमड़ी,
कहलाता वह मेंढक टोड।।

नुकीली नाक और फुर्तीला,
काई जैसे रंगों वाला,
तेज उछलता रहता है वह,
मेंढक देखो मतवाला।।

कीट पतंगा ये खाते हैं,
रहते कीचड़, पानी में।
मेंढक, मंडूक भी कहते इनको,
रहो ना तुम हैरानी में।।

रचना
आराधना सिंह (प्र०अ०)
इंग्लिश मीडियम कम्पोजिट विद्यालय
लोढ़वारा, चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

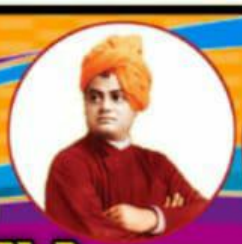

समुद्री जल-जीव एवं पौधे

14

मगरमच्छ

रेप्टिलिया वर्ग का सबसे बड़े जन्तु,
4 से 6 मीटर लम्बा होता परन्तु।
उम्र औसतन 30 से 40 साल,
गले के पीछे होता एक वाल्व।।

छोटे छोटे जीव जन्तु बनते इसका भोजन,
पाचनतन्त्र बहुत मजबूत हड्डियों का करता सेवन।
दृष्टि इसकी बहुत तीव्र,
शिकार करता अति शीघ्र।।

जबड़ा होता बहुत दीर्घ,
सूँघने, देखने, सुनने की क्षमता है अतीव ।
मगरमच्छ का हृदय होता सबसे जटिल,
क्योकि खून के प्रवाह को देता है ये बदल।।

रचना-
चंचल उपाध्याय (प्र०अ०)
प्रा० वि० कोट
बिसौली, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

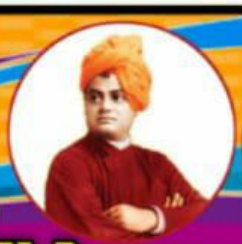

समुद्री जल-जीव एवं पौधे

15

वाटर लिली

सुन्दर-सुन्दर वाटर लिली,
मिलती पानी में खिली-खिली।
फैमिली इसकी है निम्फेसी,
लगती यह भी कमल के जैसी।।

पत्ती को लिली पैड हैं कहते,
दिखते पानी पर बहते-बहते।
पुष्प चन्द्रोदय होने से खिलते,
सत्तर प्रजातियों में मिलते।।

जड़ें मृदा में ठहरी गहरी,
फूल पत्तियाँ पानी पर तैरी।
गुजराती में पोय कहाए,
तालाबों में यह मुस्काए।।

हृदय गति को करे नियंत्रित,
गर्भपात को भी है रोके।
ज्वर जलन को ठीक है करता,
गुण हैं इसके चोखे-चोखे।।

रचना
फ़राह हारून"वफ़ा" (प्र०अ०)
प्रा० वि० मढ़िया भांसी
सालारपुर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

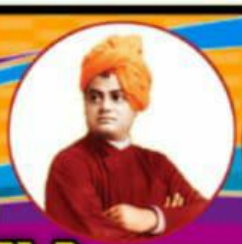

समुद्री जल-जीव एवं पौधे

16

मूँगा

समुद्र के वर्षा वन हैं मूँगा,
कोई नहीं इन जैसा दूजा।
कोरल नाम से जाने जाते,
मिल सब प्रवाल भित्ति बनाते।।

जैव विविधता के ये हैं भण्डार,
विविध रंग विविध हैं आकार।
देते जीवों को घर और आहार,
बदले में पाते कार्बन-कैल्शियम अपार।।

तटीय, अवरोध, वलयाकार,
प्रवाल भित्ति के तीन प्रकार।
सुनामी से बचाते बारम्बार,
सुमद्र-धरा मध्य बनके पहरेदार।।

लाखों वर्षों में ये बन पाते,
गर्म समुद्री धारा ही चाहते।
बनाये रखते प्राकृतिक सन्तुलन,
पर स्वार्थवश होता इनका दोहन।।

रचना
डॉ० रैना पाल (स०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8) आमगांव,
जगत, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

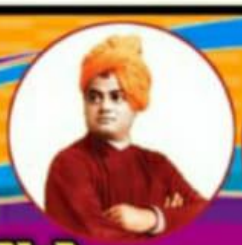

समुद्री जल-जीव एवं पौधे

17

कमल

सुन्दर, कोमल पुष्प कमल,
है, यह राष्ट्रीय पुष्प कमल।
रंग सफेद गुलाबी सुन्दर,
खिलकर अपनी छटाँ बिखेरे।।

कीचड़ में खिलता पुष्प कमल,
फिर भी है अनमोल कमल।।
लोगों का यह मन ललचाए,
ऐसा है यह पुष्प कमल।।

नीरज, पंकज, जलज, सरोज,
है इसके यह नाम अनेक।
लक्ष्मी जी का आसन है यह,
है शुद्धता का प्रतीक कमल।।

सुन्दर, कोमल पुष्प कमल,
है, यह राष्ट्रीय पुष्प कमल।

रचना- सुनीता यादव (स०अ०)
कंपोज़िट विद्यालय भिठिया चिचड़ी
गिलौला, श्रावस्ती

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

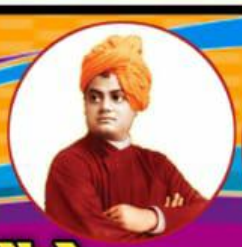

समुद्री जल-जीव एवं पौधे

18

केकड़ा

आर्थोपोडा संघ का जन्तु,
गोलाकार व चपटा होता।
उदर इसका छोटा होता,
श्वसन गिल्स द्वारा होता।।

खारे और मीठे पानी के मेल की,
करीब 850 प्रजातियाँ इसकी।
यह जलीय जीव कहलाता,
मानव इन्हें पकाकर खाता।।

सर पर एक जोड़ी सवृंत-संयुक्त नेत्र होते,
एक लिंगी यह जीवन जीते।
हर समुद्र के द्वीपों में पाया जाता,
केकड़ा इसका नाम कहलाता।।

रचना- रीना रानी (स०अ०)
प्रा० वि० सरूरपुर कलां-2
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

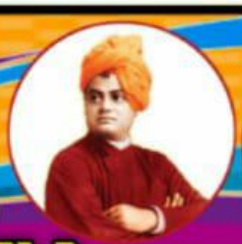

समुद्री जल-जीव एवं पौधे

19

शार्क

नीले हरे रंग की होती है शार्क,
बड़े जबड़े व दाँतों वाली शार्क।
शरीर लम्बा, शल्क से ढका, नौकाकार,
समुद्री जीवों में शार्क सबसे होशियार।।

त्वचा कोमल किन्तु बिजली उगलती,
शार्क समुद्र में सबसे अच्छी शिकारी।
नाक बहुत तेज होती है इसकी,
100 मी० दूर से शिकार भी सूँघ लेती।।

शार्क है माँसाहारी जल जीव,
पायी जाती है गर्म समुद्र में भी।
तरह-तरह की होती है शार्क,
कुकीटर, हेमरहेड, प्रिकली शार्क।।

टाइगर, व्हाइट शार्क हमला करती,
व्हेल शार्क इन सबमें बड़ी ही होती।
डॉग फिश आकार में छोटी होती,
निस्तुषी शार्क की सबसे पूँछ लम्बी।।

रचना-
प्रियंका सक्सेना (स०अ०)
प्रा० वि० बैरमई खुर्द
अम्बियापुर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

समुद्री जल-जीव एवं पौधे

रचनाकारों की सूची

01- शिखा वर्मा, सीतापुर
02- डॉ० नीतू शुक्ला, उन्नाव
03- पूनम गुप्ता, अलीगढ़
04- पीयूष त्रिवेदी, हरदोई
05- सीमा मिश्रा, फतेहपुर
06- सतीश चन्द्र, सीतापुर
07- भुवन प्रकाश, सीतापुर
08- हेमलता गुप्ता, अलीगढ़
09- शहनाज़ बानो, चित्रकूट
10- सुप्रिया सिंह, सीतापुर
11- प्रतिमा उमराव, फतेहपुर
12- ज्योति सागर, बागपत
13- आराधना सिंह, चित्रकूट
14- चंचल उपाध्याय, बदायूँ
15- फ़राह हारून, बदायूँ
16- रैना पाल, बदायूँ
17- सुनीता यादव, श्रावस्ती
18- रीना रानी, बागपत
19- प्रियंका सक्सेना, बदायूँ

तकनीकी सहयोग
जितेन्द्र कुमार, बागपत
आयुषी अग्रवाल, मुरादाबाद
सुधांशु श्रीवास्तव, फतेहपुर

मार्गदर्शन:- राजकुमार शर्मा, चित्रकूट

संकलन:- मिशन शिक्षण संवाद